



मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, मिर्जापुर, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जैनपुर, भद्रोही, प्रतापगढ़ में वितरित

Visit Us at : [www.kadamkadampar.com](http://www.kadamkadampar.com)

# क्रादम क्रादम पर

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

RNI No. : MAHHIN/2014/55126

PR No. : MNE/329/2023-2025 POSTED AT BHANDUP (E) POST OFFICE, MUMBAI-42 ON EVERY TUESDAY संपादक : छोटेलाल शर्मा

वर्ष - 11

अंक - 03

मुंबई, सोमवार, दिनांक 09 से 15 अक्टूबर 2023

पृष्ठ : 04

कीमत : 3/- रुपये



ठाणे : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे शहर में प्रस्तावित रिंग मेट्रो परियोजना के लिए केंद्र सरकार से मजूरी देने का अनुरोध किया है। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शिंदे ने शुक्रवार को दिल्ली यात्रा के दौरान केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की और प्रस्तावित परियोजना के लिए मजूरी मांगी।

## मेट्रो परियोजना की मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री शिंदे ने केंद्र सरकार से किया अनुरोध



यह परियोजना केंद्र के पास किलोमीटर लंबी ठाणे रिंग मेट्रो लंबित है। जिला प्रशासन की ओर परियोजना का प्रस्ताव तैयार किया से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 29

किलोमीटर लंबी ठाणे रिंग मेट्रो परियोजना का प्रस्ताव तैयार किया गया और इसे मंजूरी के लिए केंद्र

के पास भेजा गया।

विज्ञप्ति के अनुसार, मार्ग में 22 स्टेशन होंगे। ठाणे रिंग मेट्रो का 26 किलोमीटर हिस्सा ऊचाई पर होगा और शेष तीन किलोमीटर का हिस्सा भूमिगत होगा। इसमें कहा गया कि भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में से एक को ठाणे रेलवे स्टेशन से जोड़ा जाएगा और अन्य स्टेशन को मेट्रो कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा।



दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुप्रसिद्ध अभिनेता रामचरण तेजाजी ने श्रीसिद्धिविनायक मंदिर में गणपति बाप्पा का दर्शन लिया। मंदिर दृष्टि के विश्वस्त सर्व श्री राजाराम देशमुख ने उन्हें शाल और श्रीफल गुलदस्ता व गणपति की मूर्ति देकर सम्मानित किया।

## जातीय गणना की सुलगने लगी आग

### बिहार की तर्ज पर उठी मांग, नाना पटेले से मिला उत्तर भारतीय ओबीसी प्रतिनिधिमंडल

मुंबई. बिहार में जातीय जनगणना की रिपोर्ट जारी होने के बाद पूरे देश में ओबीसी की राजनीति अब करवटें बदलने लगी है, जातिगत जनगणना को लेकर बीजेपी जहां हिंदुओं को बांटने की साजिश करार दे रही है। वहीं कांग्रेस पार्टी सहित इंडिया गठबंधन के सभी दलों की बांधे खिल गई हैं। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा व मनपा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस पार्टी अब ओबीसी पर डोरे डालना शुरू कर दी है। कांग्रेस पार्टी अब उन तमाम उत्तर भारतीय ओबीसी नेताओं को तवज्ज्ञ देना शुरू कर दिया है जो लंबे समय से हाशिये पर थे। उत्तर भारतीय ओबीसी महासभा का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को महाराष्ट्र

#### कांग्रेस का परंपरागत वोटर रहा है ओबीसी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटेले ने राजनीति में ओबीसी समाज को लेकर आई शून्यता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ओबीसी समाज को न्याय नहीं मिला है, ओबीसी कांग्रेस का परंपरागत वोटर रहा है। कांग्रेस के प्रधानमंत्री नरसिंहराव की सरकार ने ओबीसी को आरक्षण के तहत पहली नौकरी दी थी।



उच्च शिक्षण संस्थानों में ओबीसी को पहली बार शैक्षणिक आरक्षण दिया। पटेले ने कहा कि मोदी सरकार 2 वर्षों

में ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति तक नहीं दे पाई है।

को रिझाने की कोई कसर नहीं छोड़ रही है। 2014 और 2019 लोकसभा चुनाव जीत में ओबीसी वोट का योगदान रहा है। भाजपा को करीब 48% वोट ओबीसी का मिला था। इन वोटों को स्थायी रूप से अपने साथ जोड़ने के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना शुरू की है। इस योजना से देश की करीब 145 ओबीसी जातियों के कई समुदायों को लाभ देने की बात की जा रही है।

#### मिलनी चाहिए समानुपातिक राजनैतिक भारीदारी

उत्तर भारतीय ओबीसी महासभा के अध्यक्ष डॉ. यूपी सिंह ने कहा हमने कांग्रेस पार्टी से मांग किया है कि

कांग्रेस पार्टी जातिगत जनगणना को पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करे और बिहार फॉर्मेंट की तरह देश के अंदर जातीय जनगणना कराई जायें। उन्होंने कहा कि जिस तरह से एहर पूरे देश में आरक्षण में एक समान नियम से लागू किया गया, उसी तरह से एक राज्य से विस्थापित होकर दूसरे राज्यों में रहने वाले को ओबीसी के आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। ओबीसी समाज को समानुपातिक राजनैतिक भारीदारी मिलना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष एसके सिंह, सुरेश कापोर, धर्मराज प्रजापति, रामजी बिंद, आरके यादव, काशीनाथ गुप्ता, अशोक शर्मा, धर्मराज प्रजापति, छोटेलाल शर्मा, रामलाल विश्वकर्मा आदि शामिल रहे।

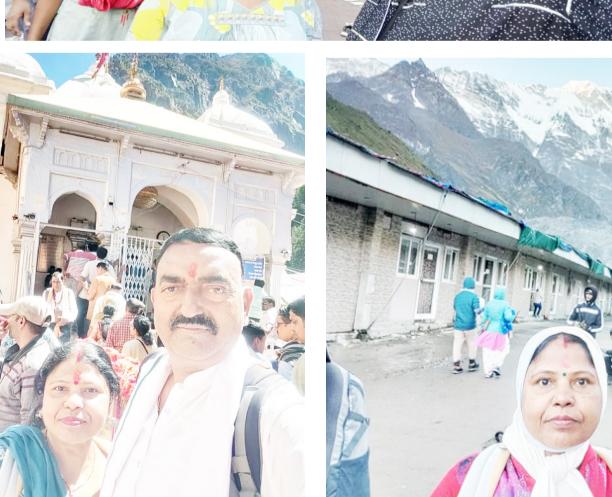
## आठ धाम की यात्रा से दिव्य देव स्थलों के दर्शन का सौभाग्य



#### प्रस्तुति: जेपी शर्मा

आठ धाम यात्रा, जिसे आठ दिव्य तीर्थों की यात्रा के रूप में भी जाना जाता है, इन तीर्थ स्थलों की यात्रा का जिसका हिंदू धर्म में बहुत महत्व है। ये पवित्र स्थल लुभावने हिमालय क्षेत्र में फैले हुए हैं, जो न केवल आध्यात्मिक संवर्धन प्रदान करते हैं बल्कि इस राजसी परिवहन की प्राकृतिक सुंदरता से जुड़े का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करते हैं। मेरी यात्रा सितंबर 25 से शुरू हुई और दस दिनों तक चली।

इसी दौरान, मैं मेरी धर्मपत्नी के साथ ब्रीनाथ, केदरनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री और अन्य जैसे प्रसिद्ध मंदिरों और



और साथी यात्रियों के बीच समुदाय की भावना वास्तव में अद्वितीय होती है। इन पवित्र पथ पर आप सदैव अपने आप को ऊजावान महसूस करेंगे। मेरे प्रिय शुभ्रचिंतकों भले ही आप शारीरिक रूप से मुझसे इस यात्रा से जुड़ने में असमर्थ थे पर आपका नैतिक समर्थन और आशीर्वाद मेरे लिए अमूल्य था। इस परोपकारी यात्रा पर निकलते समय मैं अपने अनुज राजन शर्मा और उनके परिवार की एयरपोर्ट पर उपस्थिति को अपने हृदय में रखता हूँ। इस मंगलमय यात्रा के प्रस्थान पर हमारा सपरिवार अभिवादन किया।



## संपादकीय

छोटे लाल शर्मा, प्रधान संपादक

## औद्योगिक तख्तापलट

चीन में मंदी और 'चाइना प्लस वन' (निवेश के लिए चीन के अलावा एक अन्य केंद्र) की रणनीति को लेकर बहस के बीच एक खतरा इस बात को भुग्ना बैठने का भी है कि किस तरह चीन ने अगले कई दशकों के सबसे अहम कारोबारों के लिहाज से स्वयं को सर्वाधिक अनुकूल स्थिति में पहुंचा दिया है। ये कारोबार हैं सौर और पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, नए-महत्वपूर्ण पदार्थ और शायद सेमीकंडक्टर भी। विभिन्न देश इस बात से ज़ब्द रहे हैं कि ऐसे दबदबे से कैसे निपटा जाए। इस बीच यह समझना आवश्यक है कि चीन का मौजूदा दबदबा महज संयोग है या फिर वह पहले से हासिल विनिर्माण शक्ति का ही प्रदर्शन है। यह भी कि रणनीतिक दूरदर्शिता कितनी महत्वपूर्ण थी या फिर पश्चिमी दुनिया ढीली पड़ गई? इसका जवाब है-उपरक्त सभी। बीते 15 से 20 वर्षों में एक किस्म का औद्योगिक तख्तापलट जैसा हुआ है। जबकि हमारे नीतिगत विशेषज्ञ खिलौनों और वस्त्रों के क्षेत्र में चीन की नीतियों का अनुकरण करने की वकालत कर रहे थे। दुनिया ने जागने में बहुत देर कर दी। अमेरिका सिलिकन वैली में अपने तकनीकी उद्योगपतियों की कामयाबी और लाखों करोड़ डॉलर की संपत्ति तैयार होने का जश्न मना रहा था। इस बीच चीन उसकी आपूर्ति का आधार बन गया। वह चुपचाप नए बुनियादी कारोबारों में दबदबा कायम करता रहा। आज चीन जिस स्थिति में है वहां वह दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहन, सौर पैनल और पवन ऊर्जा टर्बाइन तथा इनके निर्माण से जुड़े उपकरणों की अधिकतम आपूर्ति कर सकता है। इन क्षेत्रों में चीन पर निर्भरता समाप्त करने में कई वर्षों का समय लगेगा। इस बीच चीन ऐसी स्थिति में है कि वह व्यापार प्रतिवर्धनों की धमकी दे सकता है। हाल ही में गैलियम और जर्मनियम की आपूर्ति रोककर उसने ऐसा दिखाया। ये धातुएं चिप निर्माण के लिए अहम हैं। पश्चिम को स्वयं को ही दोष देना चाहिए। जिस समय सदी करवट ले रही थी, जर्मनी ने छतों पर सौर पैनलों की स्थापना को बढ़ावा दिया और उसने चीन को प्रोत्साहित किया कि वह इनकी मांग पूरी करे। अन्य यूरोपीय देशों ने भी ऐसा ही किया। इसके बाद चीन ने तेजी से उत्पादन का विस्तार किया जिससे उसका लागत लाभ बढ़ा। सब्सिडी इसके अलावा थी। इसके चलते पश्चिमी देशों के सैकड़ों प्रतिस्पर्धी बाहर हो गए। अब सौर पैनल की परी मूल्य शृंखला पर चीन का दबदबा है। विंड टर्बाइन बाजार में चीन की हिस्सेदारी 60 फीसदी की है और दबाओं के निर्माण में काम आने वाले कच्चे माल पर उसका नियंत्रण है। भारत का दबाउ भी उसी पर निर्भर है। इस बीच चीन की कार कंपनियों ने इलेक्ट्रिक वाहनों के भविष्य को पहचान लिया। बैटरी तकनीक इन वाहनों के लिए सबसे अहम है और चीन ने इस क्षेत्र में अहम तकनीकी बढ़त हासिल करके सस्ती बैटरियां तैयार कीं। चीनी कंपनियों द्वारा सस्ती इलेक्ट्रिक कार तैयार करने से बिक्री बढ़ने लगी। इसके साथ ही टेस्टा को यह प्रोत्साहन भी मिला कि वह शांघाई की एक बड़ी बैटरी निर्माता फैक्ट्री में निवेश करे। रणनीतिक दूरदर्शिता की बात करें तो कच्चे माल के क्षेत्र में यह सर्वाधिक स्पष्ट है। चीन ने कॉन्नो के कोबाल्ट और बोलिया के लीथियम के अधिकांश हिस्से का उत्खनन किया। उसने पश्चिमी कंपनियों का स्थान लिया। जब इंडोनेशिया ने गैर परिशोधित निकल का नियर्थ बंद किया तो चीन के रिफाइनर बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। चीन ने ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूरोप में भी ऐसी कंपनियां खरीदीं जिनके पास तकनीक थी या फिर जो अहम उपकरण बनाती थीं।



## संपादकीय

छोटे लाल शर्मा, प्रधान संपादक

## औद्योगिक तख्तापलट

चीन में मंदी और 'चाइना प्लस वन' (निवेश के लिए चीन के अलावा एक अन्य केंद्र) की रणनीति को लेकर बहस के बीच एक खतरा इस बात को भुग्ना बैठने का भी है कि किस तरह चीन ने अगले कई दशकों के सबसे अहम कारोबारों के लिहाज से स्वयं को सर्वाधिक अनुकूल स्थिति में पहुंचा दिया है। ये कारोबार हैं सौर और पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, नए-महत्वपूर्ण पदार्थ और शायद सेमीकंडक्टर भी। विभिन्न देश इस बात से ज़ब्द रहे हैं कि ऐसे दबदबे से कैसे निपटा जाए। इस बीच यह समझना आवश्यक है कि चीन का मौजूदा दबदबा महज संयोग है या फिर वह पहले से हासिल विनिर्माण शक्ति का ही प्रदर्शन है। यह भी कि रणनीतिक दूरदर्शिता कितनी महत्वपूर्ण थी या फिर पश्चिमी दुनिया ढीली पड़ गई? इसका जवाब है-उपरक्त सभी। बीते 15 से 20 वर्षों में एक किस्म का औद्योगिक तख्तापलट जैसा हुआ है। जबकि हमारे नीतिगत विशेषज्ञ खिलौनों और वस्त्रों के क्षेत्र में चीन की नीतियों का अनुकरण करने की वकालत कर रहे थे। दुनिया ने जागने में बहुत देर कर दी। अमेरिका सिलिकन वैली में अपने तकनीकी उद्योगपतियों की कामयाबी और लाखों करोड़ डॉलर की संपत्ति तैयार होने का जश्न मना रहा था। इस बीच चीन उसकी आपूर्ति का आधार बन गया। वह चुपचाप नए बुनियादी कारोबारों में दबदबा कायम करता रहा। आज चीन जिस स्थिति में है वहां वह दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहन, सौर पैनल और पवन ऊर्जा टर्बाइन तथा इनके निर्माण से जुड़े उपकरणों की अधिकतम आपूर्ति कर सकता है। इन क्षेत्रों में चीन पर निर्भरता समाप्त करने में कई वर्षों का समय लगेगा। इस बीच चीन ऐसी स्थिति में है कि वह व्यापार प्रतिवर्धनों की धमकी दे सकता है। हाल ही में गैलियम और जर्मनियम की आपूर्ति रोककर उसने ऐसा दिखाया। ये धातुएं चिप निर्माण के लिए अहम हैं। पश्चिम को स्वयं को ही दोष देना चाहिए। जिस समय सदी करवट ले रही थी, जर्मनी ने छतों पर सौर पैनलों की स्थापना को बढ़ावा दिया और उसने चीन को प्रोत्साहित किया कि वह इनकी मांग पूरी करे। अन्य यूरोपीय देशों ने भी ऐसा ही किया। इसके बाद चीन ने तेजी से उत्पादन का विस्तार किया जिससे उसका लागत लाभ बढ़ा। सब्सिडी इसके अलावा थी। इसके चलते पश्चिमी देशों के सैकड़ों प्रतिस्पर्धी बाहर हो गए। अब सौर पैनल की परी मूल्य शृंखला पर चीन का दबदबा है। विंड टर्बाइन बाजार में चीन की हिस्सेदारी 60 फीसदी की है और दबाओं के निर्माण में काम आने वाले कच्चे माल पर उसका नियंत्रण है। भारत का दबाउ भी उसी पर निर्भर है। इस बीच चीन की कार कंपनियों ने इलेक्ट्रिक वाहनों के भविष्य को पहचान लिया। बैटरी तकनीक इन वाहनों के लिए सबसे अहम है और चीन ने इस क्षेत्र में अहम तकनीकी बढ़त हासिल करके सस्ती बैटरियां तैयार कीं। चीनी कंपनियों द्वारा सस्ती इलेक्ट्रिक कार तैयार करने से बिक्री बढ़ने लगी। इसके साथ ही टेस्टा को यह प्रोत्साहन भी मिला कि वह शांघाई की एक बड़ी बैटरी निर्माता फैक्ट्री में निवेश करे। रणनीतिक दूरदर्शिता की बात करें तो कच्चे माल के क्षेत्र में यह सर्वाधिक स्पष्ट है। चीन ने कॉन्नो के कोबाल्ट और बोलिया के लीथियम के अधिकांश हिस्से का उत्खनन किया। उसने पश्चिमी कंपनियों का स्थान लिया। जब इंडोनेशिया ने गैर परिशोधित निकल का नियर्थ बंद किया तो चीन के रिफाइनर बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। चीन ने ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूरोप में भी ऐसी कंपनियां खरीदीं जिनके पास तकनीक थी या फिर जो अहम उपकरण बनाती थीं।

## ‘अनघ’ कला प्रदर्शनी

रोंगे और साहित्य की पवित्र पावन यात्रा 'अनघ' कला प्रदर्शनी का नेहरू आर्ट सेंटर, वर्ली, मुंबई, सर्कुलर आर्ट गैलरी में भव्य उद्घाटन हुआ। इस अद्भुत कला के नये आयामों को, आध्यात्मिकता की झलक के साथ प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी का उद्घाटन, pradeep mahapsekar, bhagvan das, deepesh salgia ने किया।

इस प्रदर्शनी में एक नयी सात्त्विक विचारधारा द्वारा कबीर दास जी के दोहों द्वारा, जीवन के मर्म को कलात्मक तरीके से दर्शाया गया है।

आर्टिस्ट, ऑथर, कॉलमिस्ट संदीपा बागरेचा का कहना कि, 'पैटिंग्स महज आपके घर की सजावट ही नहीं होती है वह आपकी सोच, नजरिया, व्यक्ति और व्यक्तित्व की परिपक्वता को भी बढ़ावा देती है। संदीपा आगे कहती हैं, कि वह जो कहावत है कि



बोल उठती हैं। घर में सुखी-समृद्ध एवं शान्ति आती है।

आर्टिस्ट संदीपा बागरेचा ने कबीर दास जी के दोहों को एक अलग नया में अंदाज में प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपने symbolic अब्स्ट्रैट आर्ट के जरिये पूरी जीवन यात्रा का सार चित्रों में बनाया है, और कहती हैं, कि वह जो कहावत है कि

महाराष्ट्र में दो किशोरियों के यौन उत्पीड़न के आरोप में टैक्सी चालक गिरफ्तार



ठाणे : महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने दो किशोरियों का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी 39 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी संदीप सोनावणे ऑटोरिक्षा चालक है, लेकिन शुक्रवार दोपहर करीब सवा 12 बजे जब उसने कथित तौर पर अपराध को अंजाम दिया तब वह अपने एक दोस्त की टैक्सी चला रहा था। अधिकारी ने बताया कि जब टैक्सी बोनकोडे इलाके की ओर जाने वाली सड़क पर थी तब सोनावणे ने 14 और 15 साल की किशोरियों का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। अधिकारी ने बताया कि लड़कियों की चीखें सुनने के बाद स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंचे और आरोपी को पकड़ लिया।

मुंबई में फिर बढ़ा भाषा पर विवाद, गुजराती में लिखा बोर्ड तौड़ा गया

मुंबई। शहर में गुजराती-मराठी भाषा पर फिर राजनीति शुरू हो गई है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने शनिवार रात घाटकोपर पूर्वी स्टेशन रोड के पास गुजराती में लिखा ह्यैमरा घाटकोपर बोर्ड तोड़ दिया और उस पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे) का चुनाव चिह्न वाला पोस्टर चिपका दिया। इस बारे में शिवसेना (उद्धव) ने कहा कि यह काम किसी मराठी-प्रेमी व्यक्ति ने किया है। कुछ वर्ष पहले महात्मा गांधी रोड और स्टेशन रोड के बीच

## रामनगर की लीला से प्रेरणा लेकर चुनार में भी रामलीला कराने की भावना लीला प्रेमियों में जागृत हुई थी

शिवा शर्मा

चुनार। नगर की प्राचीन रामलीला में साहित्य पुरोधा पांडेय बेचन शर्मा ह़उग़ह ने भी अपने बाल्यावस्था में माता जानकी का अभिनय किया था। बताते चले कि 186 वर्ष पूर्व रामनगर की लीला से प्रेरणा लेकर नगर में भी रामलीला कराने की भावना आई थी जिसके बाद नगर के द्वारिका प्रसाद पांडेय, विशुन प्रसाद अग्रवाल, काशी प्रसाद अग्रवाल, पं० बेचन महाराज, पारसनाथ अवस्थी के पूर्वजों ने मिलकर रामलीला मंचन की योजना बनाई मंचीय कार्य के लिए पात्रों की उपलब्धता व रामलीला मंचन के लिए प्रयोग में आने वाले सामानों की समस्या सामने आई तो ब्राह्मण व रौनियार समाज के लोग आगे आएं और निःस्वार्थ भक्ति भाव से वह लीला के पात्र बने और आपसी सहयोग से मिल जुलकर पोशाक

व अस्त्र शस्त्र की व्यवस्था बनाएं। पहले यह रामलीला सात दिनों तक गगेश्वरनाथ स्थित राघव जी मंदिर व आसपास के विभिन्न स्थानों पर आयोजित होती रही इसके बाद श्रीराघवेन्द्र रामलीला कमेटी का गठन हुआ। सन 1900 ई०के आसपास रामलीला के स्थायी मंचन के लिए मीरजापुर के कैलाशनाथ अग्रवाल के पूर्वजों ने दान स्वरूप भूमि उपलब्ध कराई। भूमि उपलब्ध होने के लगभग 35 वर्ष बाद रामलीला प्रेमी बद्री बाबा व खदेरन साव ने भवन व मंच का निर्माण कराया और उसी समय से 21 दिवसीय रामलीला का मंचन शुरू हुआ जो अब तक जन सहयोग से निर्बाध रूप से होती चली आ रही है। इस वर्ष भी यह रामलीला छह अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। लीला देखने के लिए नगर सहित आसपास के ग्रामीण लोगों से लीला प्रेमियों की भारी भीड़



चुनार में चल रही इक्कीस दिवसीय रामलीला मंचन के दैरान अभिनय करते पात्र।

भाईयों का मिलन (भरत मिलाप) एवं सनक सनंदन यह पांच लीला अलग अलग स्थानों पर होती है जबकि अन्य 16 दिनों की लीला नगर के मध्य स्थित प्राचीन रामलीला मंच पर होती है। इस वर्ष भी यह रामलीला छह अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। लीला देखने के लिए नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लीला प्रेमियों की भारी भीड़

साहित्य पुरोधा पांडेय बेचन शर्मा उग्र ने भी बाल्यावस्था में लीला मंचन के

दौरान जानकी का अभिनय किया था।

इन पात्रों के अभिनय की होती है चचाई एवं प्रशंसा

चुनार। नगर की प्रसिद्ध रामलीला मंचन के दौरान इन पात्रों के अभिनय की लीला प्रेमियों में चचाई और उनकी प्रशंसा होती रहती है। लीला मंचन से जुड़े अंगद व बाणासुर अभिनय करने के लिए रामलीला के बरिष्ठ सदस्य रामआसरे दास, जनक व साधु रावण का अभिनय के लिए सेवानिवृत्त दुर्घट इंस्पेक्टर लक्ष्मी शंकर पांडेय, राजा जनक व परशुराम का अभिनय करने के लिए गजकीय इंटर कालेज के प्रधानाचार्य विवेकानन्द मिश्र रावण का अभिनय करने के लिए गोविंद जायसवाल व पेटपूलनवा राजा के अभिनय के लिए चन्द्रहास गुप्ता का नाम लीला प्रेमियों में चर्चित है।

## 2 वर्षों में यातायात उल्लंघनकर्ताओं द्वारा 6 करोड़ मूल्य के 23% चालान नहीं चुकाए गए

“हालांकि अवैतनिक चालानों की संख्या 20% से ऊपर है, हमारी यातायात शाखा राज्य में अन्य समकक्षों की तुलना में वसूली के मामले में शीर्ष पर है। हम ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) से लैस ई-चालान उपकरणों की मदद से पिछले जुमारे की वसूली करके अवैतनिक बकाया के बोझ को कम करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक चालान प्रणाली



सेंटर (सीसीसी) पर कैमरा फुटेज देखने वाले ट्रैफिक पुलिस कर्मियों द्वारा उत्पन्न किए गए हैं। अप्रैल, 2023 से भयंदर पूर्व में ज्यादातर

मामले सिमनल जॉपिंग, मोबाइल फोन पर बात करने या बिना सीट बेल्ट के गाड़ी चलाने, बिना हेलमेट और ट्रिप्ल सीट सवारी से संबंधित हैं। विशेष रूप से, जिन मोटर चालकों को दंडित किया गया है, उनके बारे में कहा जाता है कि वे बार-बार अपराध करते हैं। 198 वार्डन के अलावा, काशीमीरा ट्रैफिक यूनिट में 105 कर्मचारी हैं, जिनमें चार अधिकारी और 101

## संस्था द्वारा प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

भारतीय नाई कल्याण विकास सेवा समिति रजिसंस्था प्रबंधन समिति की बैठक दि 05 अक्टूबर 2023 को संस्था संरक्षक पंचमराम शर्मा के निजी निवास गोहदा, बरीपार में संपन्न हुई। जिसमें संस्था के मीडिया प्रभारी/प्रवक्ता अजय कुमार शर्मा जी का जन्मदिन मनाया गया संस्था अध्यक्ष दिनेश

अजय कुमार शर्मा, संगठन मंत्री शैलेंद्र कुमार शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र शर्मा, मुना शर्मा उपरिस्थित सभी पदाधिकारीयों ने कार्यक्रम का समर्थन किया। अंत में संस्था अध्यक्ष द्वारा विरष्ट उपाध्यक्ष को निर्देशित किये कि भारतीय नाई कल्याण विकास सेवा समिति का उद्देश्य सभी को बताएं संस्था विरष्ट



उपाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य....

1. राजनैतिक तिरस्कार, सामाजिक अपमान व आर्थिक कंगाली झेल रही भारत के नाई समाज के हक अधिकार के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना।

2. केश कला बोर्ड का गठन करने के लिए एकजुट होकर मांग करना।

3. जननायकपूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित करने की सरकार से मांग करना।

4. भिखारी ठाकुर व जननायकपूरी ठाकुर जी के नाम से सरकारी विद्यालयों के नामकरण किया जाए।

5. जननायकपूरी ठाकुर जी की हर जिले में

हर चौराहे पर मूर्ति अनावरण करने के लिए सरकार से मांग करना।

6. समाज के हर बहन बेटियों की सामूहिक शादी करवाना।

7. दैविक आपदाओं में दीन दुखियों का सहयोग करना।

8. शादी विवाह में गरीब असहाय बहनों की मदद करना।

9. जगह - जगह रक्तदान शिविर लगाकर ब्लड बैंक जमा करके जरूरतमंद लोगों की मदद करना व सहायता करना।

10. समाज के लोगों के सुख-दुख में पहुंचकर उनका मनोबल बनाना।

11. समाज के बच्चों का प्रतिभा सम्मान समारोह द्वारा सम्मानित करना।

12. जननायकपूरी ठाकुर के जयंती पर हर विद्यालय व सरकारी संस्थाओं में अवकाश दिलवाना।

13. समाज के बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक करना और गरीब बच्चों को सहायता प्रदान करना।

हमारे संस्था का यही मुख्य उद्देश्य है।

भारतीय नाई कल्याण विकास सेवा समिति रजि. टीम

युवावाहिनी फाउंडेशन का सम्मान समरोह व पद वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न:



युवा वाहिनी फाउंडेशन द्वारा राम गिरी आश्रम आम्बे शिव बुद्ध बदलापुर (पश्चिम) में कवड़ियों का सम्मान व पद वितरण का कार्यक्रम धूमधाम से किया गया।

युवा वाहिनी फाउंडेशन द्वारा कावड यात्रा वितरण की उपस्थिति से निकाला जाता है। जिसके उपलक्ष्य में सम्मान समारोह के साथ संस्था विस्तार करते हुए पद वितरण का कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिष्ठेक राव जी के जयंती पर हुए अवकाश के दौरान दिलवाना है।

जिससे हर सनातनी का कर्तव्य बनता है की धर्मिक कार्यों को उत्साह व व्योमलास के मनाना चाहिये। कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित पदाधिकारी और महिला पदाधिकारी को सम्मानित किया गया।

# ग्लोबल कैंसर ओष्ठमी केयर फाउंडेशन की टीम ने मैहर में स्थित मां शारदा के दरबार में ओष्ठमी मरीजों को दिव्यांग श्रेणी में लाने का अनुरोध



मुंबई। २ अक्टूबर २०२३ लिए मां शारदा के दरबार में जाकर अनुरोध किया। साथ साथ जगद्गुरु रामभद्राचार्य का सतना में चल रहे प्रवचन में जाकर हमने ज्ञापन को दिया। और अनुरोध किया कि हमारी

आवाज को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचा दें। ओष्ठमी बीमारी को पिछले ४ साल से दिव्यांग की श्रेणी में लाने के लिए काफी संघर्ष किया जा रहा है।

कुमार खटीक हमारे विषय पर पूरी तरह से संज्ञान ना लेते हुए यह बीमारी मेडिकल कंडीशन है। ऐसा कहकर बार-बार हमें निराश कर रहे हैं। जबकि या बीमारी का कोई विकल्प

नहीं है और इस बीमारी को विदेश के विकसित देशों में दिव्यांग का दर्जा प्राप्त हुआ है। तो भारत देश में क्यों नहीं? संस्था के अध्यक्ष डॉ अनिल

यादव, सचिव राजेंद्र गुप्ता ट्रस्टी चंद्र भूषण शुक्ला, सलाहकार सतीश चंद्र गुप्ता, कोऑफिनेटर मनोज मिश्रा तथा सपोर्ट टीम से पतंजलि मिश्रा और ओमप्रकाश विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

## भाजपा कामगार मोर्चा के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर संजय शर्मा की नियुक्ति



मुंबई-भारतीय जनता पार्टी कामगार मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश में उपाध्यक्ष पद पर संजय शर्मा जी को नियुक्त किया गया है भाजपा कामगार मोर्चा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष विजय हरगुडे ने संजय शर्मा को नियुक्ति पत्र सौंते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी कामगार मोर्चा के तमाम पदाधिकारी और कार्यकार्ताओं के बीच में संजय शर्मा को नियुक्ति पत्र दिया गया।

अध्यक्ष ने कहा कि आप अपने संगठन कौशल का उपयोग पूरे महाराष्ट्र राज्य में भारतीय जनता पार्टी कामगार मोर्चा के संगठन को बढ़ाने एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों को भाजपा से जोड़ने के लिए अत्यक्र प्रयास करेंगे बता दें कि

## मुलुंड में जीवितपुत्रिका व्रत (ज्युतिया) पुजन समारोह संपन्न



मुंबई- अपने बच्चों के दीघार्यु एवम स्वस्थ जीवन हेतु उत्तर भारतीय महिलाओं द्वारा मुलुंड में ५० वर्षों से जीवितपुत्रिका व्रत (ज्युतिया) पुजन समारोह का आयोजन स्व. रामकृपाल सिंह प्रांगण, भानबाई निवास, एम.जी.रोड, गोकुल हास्पीटल के सामने, मुलुंड प.पर किया जा रहा है। पुजन की व्यवस्था युवा ब्रिंगे एसोसिएशन के अध्यक्ष

डॉ.सचिन सिंह द्वारा की गई इस अवसर पर श्रीमती बबना देवी सिंह, जयबाला सिंह, हेमलता सिंह, आरती सिंह, साधना सिंह, बासमती देवी, अनिता सिंह, उषा सिंह, चार्मी सावला, पिंकी सिंह, माधुरी, विभा सिंह, नीतू सिंह, नीलम, सुषमा, प्रिया जैन ने पूजन करने पहुंची श्रद्धालु महिलाओं एवम उनके परिजनों का स्वागत किया। वरिष्ठ समाज

सेवक डॉ.बाबुलाल सिंह, डॉ. सचिन सिंह, श्रीराम सिंह, मोहित सिंह, महानंद सिंह, भीमा रेण्डी, अनिल सिंह, नवीन सिंह, संदेश सिंह सहित कई गणमान्य लोग इस अवसर पर उपस्थित रहे। हर वर्ष सैकड़ो उत्तर भारतीय श्रद्धालु महिलायें निर्जल व्रत रख कर अपने बच्चों के दीघार्यु एवम स्वस्थ जीवन की कामना लेकर यहां पूजनकरने आती हैं।



वैजीनाथ जेष्ठ नागरिक संघ, वैजापुर, चे अध्यक्ष प्रकाश सेठ बोथरा इनका महाराष्ट्र प्रदेश श्री नारायणी सेना संगठन के orse सम्मान करते हुए अध्यक्ष अशोक पवार khandalkar



येवला निवासी अनुपमा मढे इनकी नाशिक जिला बीजेपी महिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर वैजापुर में जीवाजी पहाले जयंती कार्यक्रम में सम्मान करते हुए महाराष्ट्र प्रदेश श्री नारायणी सेना संगठन के अध्यक्ष अशोक पवार, सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यिक धोंडीराम सिंह ठाकुर सर, विलास मथुरिया आदी मान्यवर।



वैजापुर की पुर्व नगराध्यक्ष, बीजेपी के जिल्हा सर चिट्टनिस, जिला बैंक संचालक, सबके चहते, डॉ. दिनेश भाऊ परदेशी इन्हें जन्मदिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए महाराष्ट्र प्रदेश श्री नारायणी सेना संगठन के अध्यक्ष अशोक पवार, विलास मथुरिया, दिलीप अनार्थ, संजय वाघ, आदी मान्यवर।



आज ०८/१०/२३ को भदोही जिला अध्यक्ष श्री कैलाश शर्मा जी से मुलकात हुई डॉ लवकुश शर्मा समाजसेवी जिला अध्यक्ष प्रयागराज भारतीय नाई कल्याण विकास सेवा समिति समाज के लोगों के बीच विकास के कार्य करने के कुछ चर्चाएं हुई। संजय शर्मा सिंगर महजुद थे। नाई एकता जिंदाबाद, जय कर्पूरी ठाकुर.

यह साप्ताहिक मालिक, मुद्रक, प्रकाशक छोटेलाल शर्मा ने प्रचिता प्रिंट प्रा. लि. गाला नं. १३, मकाबा बिल्डिंग, एन. एम. जोशी मार्ग, भायखला (प.), मुंबई-४०००२७ से छपवाकर रुम नं. ३, सकला देवी चाल, राहुल मोटर ट्रेनिंग स्कूल के पास, नेहरू नगर, कांजूरमार्ग (पूर्व), मुंबई-४०००४२ महाराष्ट्र यहां से प्रकाशित किया। संपादक: छोटेलाल शर्मा (मो. ०९८९८६२९७२) Email : kadamkadampar1@gmail.com